वाक्य शुद्धि

PART-3

सर्वनाम सम्बंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ आप जाकर ले ~~लो~~। लीजिए
→ ~~वह~~ सब भले लोग हैं। वे
→ आँख में ~~कौन~~ पड़ गया। क्या
→ ~~गले में~~ गुलामी की बेड़ियाँ पड़ गई पैरो में
→ मैं ~~उन्होंके~~ पिताजी से जाकर मिला। उनके

विशेषण संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ उसे ~~भारी~~ प्यास लगी है। बहुत
→ उसे ~~भारी~~ दुःख हुआ। बहुत
→ जीवन और साहित्य का ~~घोर~~ संबंध है। घनिष्ठ
→ मुझे ~~बड़ी~~ भूख लगी है। बहुत
शेर→ सिंह बड़ा ~~वीभत्स~~ होता है। भयानक
→ यह एक ~~गहरी~~ समस्या है। गंभीर
→ किसी ~~और~~ लड़के को बुलाओ। दूसरे
→ इसका ~~कोई~~ अर्थ नहीं है। कुछ भी
→ इस ~~बीसब~~ जीवन में। नीरस
→ उसकी ~~बहुत~~ हानि हुई। बड़ी
→ सब लोग अपना काम करो। अपना-अपना
→ राजेश ~~अग्रिम~~ बुधवार को आएगा। आगामी
→ दूध का अभाव ~~चिन्तनीय~~ है। चिन्ताजनक

क्रिया संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ वह कुर्ता डालकर गया है। पहनकर
→ क्या यह संभव हो सकता है। ये
→ पगड़ी ओढ़कर आओ। बाँधकर
→ तुम क्या काम करता है। करते
→ वह पढ़ना माँगता है। चाहती
→ वह लड़का मोटर हाँक सकता है। चला
→ छोटी अ शिक्षा लेने के लिए है। पाने के लिए है / ग्रहण करने के लिए है।
→ वे दस-बारह पशु उठा ले गए।
(खरीद / हाँक)
→ राधा ने माला गूँथ ली। गूँथ
→ मैं दर्शन देने आया था। करने
→ बस तुम इतने रूठ उठे बस बस तुम इतने में रूठ गए।
→ अपना हस्ताक्षर लगा दो। अपने
→ उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया। किया
→ हमें यह सावधानी लेनी होगी। बरतनी होगी।
→ वहाँ घना अँधेरा छिरा था। छाया

अत्यथ सम्बंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ यद्यपि वह बीमार था, परन्तु वह स्कूल गया। तथापि
→ पुस्तक विद्वतापूर्ण लिखी गयी है। विद्वतापूर्वक
→ आसानीपूर्वक यह काम कर लिया। आसानी से
→ शनैः उसको सफलता मिलने लगी। शनैः शनैः
→ एकमात्र ही उपाय है।
→ यह पत्र आपके अनुसार है। अनुरूप
→ यह बात कदापि भी सत्य नहीं हो सकती।
→ वह अत्यन्त ही सुंदर है।
→ सारे देश भर में अकाल है।